समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

हरमनप्रीत कौर का खास टैटू : वर्ल्ड कप जीत से पहले बनी थी जीत की दास्तां

Publisher | Published on 06 Nov 2025

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान **हरमनप्रीत कौर** ने 2024 में अपनी बाजू पर एक खास टैटू बनवाया था, जिसे लेकर तब बहुत कम लोगों ने ध्यान दिया। लेकिन जैसे ही **2025 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप** में टीम ने जीत हासिल की, यह टैटू अचानक सुर्खियों में आ गया। फैंस और क्रिकेट प्रेमी अब इस टैटू के पीछे की कहानी जानने के लिए उत्सुक हैं।

हरमनप्रीत कौर ने अपने बाएं हाथ की बाजू पर यह टैटू बनवाया था। टैटू में एक **विशेष डिज़ाइन और मंत्र शामिल है**, जो उनके व्यक्तिगत और खेल जीवन की प्रेरणा से जुड़ा हुआ है। उनके अनुसार, यह टैटू उन्हें मानसिक रूप से तैयार रखने और खुद पर भरोसा बनाए रखने का प्रतीक है।

टैटू में छोटे अक्षरों और प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया है, जो हरमनप्रीत की खेल यात्रा की कहानी बयां करते हैं। इसमें उनके जीवन के संघर्ष, टीम के लिए समर्पण और जीत की आकांक्षा झलकती है। हरमनप्रीत ने खुद कहा था, “मैं चाहती थी कि मेरे हाथ पर कुछ ऐसा रहे जो मुझे हर मुश्किल घड़ी में याद दिलाए कि हार मानना कभी विकल्प नहीं है। यह टैटू मेरी जीत की दास्तां की शुरुआत है।”

2025 वर्ल्ड कप जीतने के बाद, फोटोग्राफरों और फैंस ने उनके हाथ के टैटू पर फोकस किया। सोशल मीडिया पर उनके इस टैटू की तस्वीरें वायरल हो गईं और इसे “**वर्ल्ड कप जीत का टैलिस्मैन**” कहा जाने लगा।

टैटू की वायरल तस्वीरों के बाद, क्रिकेट प्रेमियों ने ट्विटर और इंस्टाग्राम पर प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ यूजर्स ने लिखा, *“[illegible]”* वहीं, कई लोगों ने इसे प्रेरक माना और लिखा कि यह युवाओं के लिए भी **धैर्य और विश्वास की सीख** है।

हरमनप्रीत का यह टैटू सिर्फ स्टाइल स्टेटमेंट नहीं है, बल्कि उनके मनोबल और मानसिक तैयारी का प्रतीक भी है। क्रिकेट

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे टैटू खिलाड़ी के लिए **धैर्य और फोकस का साधन** बन सकते हैं। हरमनप्रीत ने अपने कैरियर में कई दबावपूर्ण मैच खेले हैं, और यह टैटू उन्हें तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी प्रेरित करता रहा।

वर्ल्ड कप के फाइनल में जब हरमनप्रीत ने टीम को नेतृत्व दिया, तो उनके हर मूव और आत्मविश्वास ने टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। फैंस का मानना है कि यह टैटू उनके **लक्ष्य की याद दिलाने वाले टैलिस्मैन** के रूप में काम आया।

हरमनप्रीत कौर न केवल भारत की कप्तान हैं, बल्कि युवाओं के लिए भी रोल मॉडल हैं। उनका यह टैटू युवाओं को यह सिखाता है कि **सपने पूरे करने के लिए मानसिक दृढ़ता और विश्वास जरूरी है।** उन्होंने यह साबित किया कि विजेता की सोच सिर्फ खेल के मैदान तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसके सोच और मानसिक तैयारी में भी झलकती है।

वर्ल्ड कप जीत के बाद मीडिया हाउस ने भी उनके टैटू की कहानी पर विशेष रिपोर्ट्स बनाई। टीवी चैनल्स और ऑनलाइन पोर्टल्स ने इसे "**हरमनप्रीत का जीत का रहस्य**" बताया। फैंस ने इसे नए क्रिकेटर्स के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बताया।

खास बात यह है कि हरमनप्रीत ने यह टैटू निजी इच्छा से बनवाया था, न कि किसी प्रचार या शो के लिए। यह दिखाता है कि उनके खेल और जीत के प्रति समर्पण **स्वाभाविक और व्यक्तिगत है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.